# University in News on 18 November 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

## ब्रह्मांड की भाषा भी समझाती है गणित

लविवि में भारत गणित परिषद के सम्मेलन में मौजूद विशेषज्ञ। स्रोत : लखनऊ विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

### लविवि में 71वें भारत गणित परिषद सम्मेलन में बोले विशेषज्ञ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 71वें भारत गणित परिषद (बीजीपी) सम्मेलन के अंतिम दिन रविवार को गणित की प्रगति व प्रयोगों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। इसमें अध्यक्ष प्रो. पीयूष चंद्रा और प्रो. एमए सोफी ने कहा कि गणित केवल समीकरणों को हल करने के बारे में नहीं है, यह ब्रह्मांड की भाषा को समझने में भी मदद करती है।

प्रोफेसर पी. मोहंती ने कहा कि गणित शुद्ध सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच एक सेतु का काम करती है, जो अमूर्त अवधारणाएं शुरू हुईं, वे अब वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर रही हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। डॉ. अमित वर्मा ने कहा, जैसे-जैसे गणित विकसित होता है, हमें अपने समीकरणों और अपनी सोच दोनों में लगातार नए परिवर्तनों की तलाश करनी चाहिए। कश्मीर विश्वविद्यालय के प्रो. एमए सोफी ने कहा कि गणित हमारे ज्ञान की सीमित सीमाओं के भीतर अनंत संभावनाओं का मानचित्रण करने की यात्रा है।

आईआईएसईआर मोहाली पंजाब के प्रो. दीप सिंह ने कहा, डाटा की ओर से संचालित दुनिया में डिजिटल गोपनीयता के लिए लगातार विकसित हो रहे खतरों के खिलाफ गणित सबसे मजबूत ढाल है।

## मूट कोर्ट में देशभर से शामिल हुईं 29 टीमें

### लविवि में पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में मौजूद छात्र-छात्राएं व विशेषज्ञ। स्रोत : स्वयं

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में दोनों पक्षों ने तर्क रखने का तरीका प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों से 29 टीमों ने भाग लिया। इसमें आठ टीमें क्वार्टर-फाइनल के लिए आगे बढ़ सकी।

विधि संकाय के प्रमुख और डीन प्रो. डॉ. बंशीधर सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता में दोनों पक्षों से तर्क प्रस्तुत करने की प्रक्रिया प्रतिभागियों को आत्मविश्वास प्रदान करती है और वास्तविक अदालत में अभ्यास करते समय अत्यंत उपयोगी होती है।

वहीं मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने प्रतिभागियों को सलाह दी कि अच्छी कानूनी कुशलता विकसित करने के लिए किसी अनुभवी वरिष्ठ के मार्गदर्शन में अभ्यास करना जरूरी है।

## डिजिटल खतरों के खिलाफ गणित ढाल

लखनऊ। 71वें भारत गणित परिषद (बीजीपी) सम्मेलन का समापन एलयू के गणित और खगोल विज्ञान विभाग में हुआ। गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विषय पर विद्वान एकत्रित हुए। कैल्डेरोन-जिग्मड सिंगुलर इंटीग्रल्स पर प्रोफेसर पी. मोहंती ने कहा कि गणित शुद्ध सिद्धांत व वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच सेतु है। आईआईएसईआर मोहाली पंजाब के प्रो. दीप सिंह नेकहा कि डेटा द्वारा संचालित दुनिया में, डिजिटल गोपनीयता के लिए लगातार विकसित हो रहे खतरों के खिलाफ गणित मजबूत ढाल बना हुआ है। सचिव प्रो. पंकज माथुर मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पहुंचे अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद।

## एक राष्ट्र, एक चुनाव विकास की नई नींव रखेगा

लखनऊ। एक राष्ट्र, एक चुनाव देश में विकास की नई नींव रखेगा। इससे समाज के हर वर्ग का कल्याण हो सकेगा। यह बातें मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अटल सुशासन पीठ लोक प्रशासन विभाग एलयू में चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में कहीं। दो दिवसीय संगोष्ठी के चार तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों द्वारा विभिन्न शोध पत्रों का वाचन भी किया गया।

## मूट कोर्ट में बेंगलुरु की यूनिवर्सिटी जीती

लखनऊ। एलयू के विधि संकाय द्वारा आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में 29 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। मूट कोर्ट की विजेता टीम क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (टीसी 12) बनी। टीम में अकांक्षा, पार्वती, सना शामिल रहे। विजेता टीम को 15 हजार की धनराशि मिली। वहीं उपविजेता टीम नरवदेश्वर लॉ कॉलेज, एलयू (टीसी 18) बनी। टीम में संदीप तिवारी, शिखा उपाध्याय, इशिका मिश्रा शामिल थे। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी रहे।

i-NEXT PAGE 4

## क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरु की टीम ने मार दिया मैदान

### पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का हुआ समापन

**LUCKNOW (17 Nov) :** एलयू के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में संडे को क्वार्टर-फाइनल और फाइनल राउंड हुए. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (टीसी 12) की टीम विजेता रही. इसमें शामिल आकांक्षा मलिक, पार्वती हरिकुमार, सना यादव को पुरस्कार राशि के रूप में 15 हजार रुपये, विजेता सर्टिफिकेट और ट्राफी दी गई उप विजेता टीम नर्वदेश्वर ला कालेज, एलयू (टीसी 18) रही. टीम के संदीप तिवारी, शिखा उपाध्याय, इशिका मिश्रा को पुरस्कार राशि दस हजार रुपये, प्रमाणपत्र और ट्राफी दी गई विशेष पुरस्कार के रूप में सर्वश्रेष्ठ वक्ता सिटी ला कालेज की तविशी बिसेन, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता उत्तरांचल विश्वविद्यालय के आशीष नयन तथा सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वर्धन सिंह, शाश्वत दुबे, और अमान हुसैन रिजवी रहे.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

## गणित शुद्ध सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के बीच एक सेतु

लखनऊ। 71वें भारत गणित परिषद (बीजीपी) सम्मेलन का समापन रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित और खगोल विज्ञान विभाग में हुआ। गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति - एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विषय पर विद्वान एकत्रित हुए। सम्मेलन में कैल्डेरोन-जिग्मड सिंगुलर इंटीग्रल्स पर प्रोफेसर पी. मोहंती कहा कि गणित शुद्ध सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच एक सेतु है। जो अमूर्त अवधारणाएं शुरू हुईं, वे अब वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर रही हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। डॉ. अमित कुमार वर्मा की इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म्स: फूरियर से वेवलेट्स तकह्व की खोज ने विचारोत्तेजक चचाओं को जन्म दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे गणित विकसित होता है, हमें अपने समीकरणों और अपनी सोच दोनों में लगातार नए परिवर्तनों की तलाश करनी चाहिए। कश्मीर विश्वविद्यालय के प्रो. एमए सोफी ने बानच स्पेस की मीट्रिक संरचना निष्कर्ष निकाला कि कुछ निश्चित परिचालनों के साथ विभिन्न गणितीय स्पेस की मीट्रिक संरचना को समझना केवल एक गणितीय प्रयास नहीं है। यह हमारे ज्ञान की सीमित सीमाओं के भीतर अनंत संभावनाओं का मानचित्रण करने की यात्रा है। कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. यूसीडे ने सापेक्षता के अनुप्रयोगों के साथ सामान्यीकृत क्वासी-आइंस्टीन मैनिफोल्ड्स पर अपने व्याख्यान दिया। आईआईएसईआर मोहाली पंजाब के प्रो. दीपसिंह ने डिजिटल डेटा सुरक्षा: एक क्रिप्टोग्राफिक के दृष्टिकोण पर अपना व्याख्यान दिया।

## एक राष्ट्र एक चुनाव पर दिया जोर

लखनऊ। लखनऊ विवि में चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में पहुंचे अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के हर वर्ग का कल्याण हो सकेगा। वहीं विवि की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की और इसके सकारात्मक पक्ष को उजागर किया। राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. आईडी मिश्र, डॉ. श्रद्धा चंद्रा, डॉ. नंदिता कौशल, डॉ. उत्कर्ष मिश्र, अणिमा शुक्ला आदि मौजूद रहीं। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 7

## क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरु मूट कोर्ट की रही विजेता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

### लविवि के विधि संकाय में 5वीं मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित

**अमृत विचार :** लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बेंगलुरु क्राइस्ट यूनिवर्सिटी प्रथम पुरस्कार विजेता रही। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से 29 टीमों ने भाग लिया। शुरुआती दौर के दो चरणों के मूल्यांकन के आधार पर 8 टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं।

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद फाइनल राउंड के लिए क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (टीसी 12) और नरवदेश्वर लॉ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय (टीसी 18) चयनित हुए।

अंतिम परिणाम में विजेता टीम क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (टीसी 12) रही। उन्हें पुरस्कार राशि के रूप में 15,000 रुपये और विजेता सर्टिफिकेट, एक ट्रॉफी दिया गया। उप विजेता टीम नरवदेश्वर लॉ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय (टीसी 18) को पुरस्कार राशि के रूप में 10,000 रुपये, प्रमाणपत्र और एक ट्रॉफी दी गई। विशेष पुरस्कार के रूप में सर्वश्रेष्ठ वक्ता तविशी बिसेन, सिटी लॉ कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता उत्तराखंड विश्वविद्यालय के आशीष नयन, सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल वर्धन सिंह, शाश्वत दुबे और अमान हुसैन रिजवी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

## क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु की टीम बनी विजेता

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में रविवार को क्वार्टर-फाइनल और फाइनल राउंड हुए। अंतिम परिणाम में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (टीसी 12) की टीम विजेता रही। इसमें शामिल आकांक्षा मलिक, पार्वती हरिकुमार, सना यादव को पुरस्कार राशि के रूप में 15 हजार रुपये, विजेता सर्टिफिकेट और ट्राफी दी गई।

उप विजेता टीम नर्वदेश्वर ला कालेज, लखनऊ विश्वविद्यालय (टीसी 18) रही। टीम के संदीप तिवारी, शिखा उपाध्याय, इशिका मिश्रा को पुरस्कार राशि दस हजार रुपये, प्रमाणपत्र और ट्राफी दी गई। विशेष पुरस्कार के रूप में सर्वश्रेष्ठ वक्ता सिटी ला कालेज की तविशी बिसेन, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता उत्तरांचल विश्वविद्यालय के आशीष नयन तथा सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वर्धन सिंह, शाश्वत दुबे, और अमान हुसैन रिजवी रहे। फाइनल राउंड का मूल्यांकन इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी, लवि के विधि संकाय के प्रो. (डा.) हरीश चंद्र राम और डा. अभिषेक कुमार तिवारी ने किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने प्रतिभागियों को सलाह दी कि अच्छी कानूनी कुशलता विकसित करने के लिए किसी अनुभवी वरिष्ठ के मार्गदर्शन में अभ्यास करें। इस अवसर पर विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. राधेश्याम प्रसाद ने विजेताओं को बधाई दी।

विजेता टीम को ट्राफी व चेक देते इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी व विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह • लवि

DAINIK JAGRAN PAGE 5

## 'एक राष्ट्र, एक चुनाव से साकार होगा विकसित भारत का सपना'

संगोष्ठी में मौजूद अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, व विभाग के अध्यक्ष प्रो. नंद लाल भारती • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : 'एक राष्ट्र, एक चुनाव देश में विकास की नई नींव रखेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देखा गया यह सपना विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। इससे समाज के हर वर्ग का कल्याण होगा। यह विचार अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लवि की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। उन्होंने एक राष्ट्र, एक चुनाव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। साथ ही इसके सकारात्मक पक्ष को उजागर किया। संगोष्ठी में शोधार्थियों ने विभिन्न शोध पत्रों का वाचन भी किया। सत्र के अंत में एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने में आने वाली चुनौतियों पर व्यापक चर्चा करते हुए इसके सफल क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण उपाय भी सुझाए गए। गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.आईडी मिश्र द्वारा राष्ट्रीय चेतना से जोड़ते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के महत्व को समझाया गया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से आये हुए प्रो. पी एन गौतम ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर अटल सुशासन पीठ के संयोजक एवं लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नंद लाल भारती ने अतिथियों का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। शिक्षक डा. सुशील सिंह चौहान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

## एक राष्ट्र, एक चुनाव करेगा विकसित भारत के सपने को साकार: दानिश आजाद अंसारी

लखनऊ। एक राष्ट्र, एक चुनाव देश में विकास की नई नींव रखेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देखा गया यह सपना विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। इससे समाज के हर वर्ग का कल्याण हो सकेगा। अटल सुशासन पीठ, लोक प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि दानिश आजाद अंसारी, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री द्वारा यह बातें कही गई। मंत्री को डॉ. उत्कर्ष मिश्र द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। प्रो. खन्ना द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की गई और इसके सकारात्मक पक्ष को उजागर किया गया। इस अवसर पर अटल सुशासन पीठ के संयोजक एवं लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नंद लाल भारती द्वारा अतिथियों का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। लोक प्रशासन विभाग के शिक्षक डॉ.सुशील सिंह चौहान द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। दो दिवसीय संगोष्ठी के चार तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों द्वारा विभिन्न शोध पत्रों का वाचन भी किया गया। सत्र के अंत में विद्वत जनों द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने में आने वाली चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। अपने अनुभवों के आधार पर इसके सफल क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण उपाय भी सुझाए गए। अंतिम दिन विद्वानों द्वारा इस विषय के लाभों और चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.आईडी मिश्र द्वारा राष्ट्रीय चेतना से जोड़ते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के महत्व को समझाया गया। बीएचयू के प्रो अभिनव शर्मा ने इस मौके पर एक राष्ट्र, एक चुनाव में आने वाली समस्याओं और बाधाओं पर व्यापक चर्चा की। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से आये हुए प्रो पी एन गौतम ने कई उदाहरण देते हुए इसके लाभ और हानि दोनों से ही अवगत कराया। साथ ही उन्होंने जनता को विश्वास में लेने के बाद ही इसको लागू करने पर जोर दिया। समापन समारोह के पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ श्रद्धा चंद्रा, डॉक्टर नंदिता कौशल, डॉ उत्कर्ष मिश्र, अणिमा शुक्ला, डॉ राजेश कुमार, सुरभि मिश्रा, प्रमोद कुमार, विनोद कुमार, रज्जन मिश्र, रविन्द्र वर्मा, स्वरूप किशोर, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, वंदना यादव, रिचा यादव, डॉ आरबी रावत, फैसल अंसारी, शिवानी सिंह एवं अन्य विभिन्न विद्वान, शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

PIONEER PAGE 3

## एक राष्ट्र, एक चुनाव करेगा विकसित भारत के सपने को साकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**एक राष्ट्र,** एक चुनाव देश में विकास की नई नींव रखेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देखा गया यह सपना विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। इससे समाज के हर वर्ग का कल्याण हो सकेगा। उक्त उद्गार रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अटल सुशासन पीठ, लोक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की गई और इसके सकारात्मक पक्ष को उजागर किया गया। इस अवसर पर अटल सुशासन पीठ के संयोजक एवं लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो नंद लाल भारती द्वारा अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। लोक प्रशासन विभाग के शिक्षक डॉ सुशील सिंह चौहान द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। दो दिवसीय संगोष्ठी के चार तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों द्वारा विभिन्न शोध पत्रों का वाचन भी किया गया। सत्र के अंत में विद्वत जनों द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने में आने वाली चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। अपने अनुभवों के आधार पर इसके सफल क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण उपाय भी सुझाए गए। अंतिम दिन विद्वानों द्वारा इस विषय के लाभों और चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.आईडी मिश्र द्वारा राष्ट्रीय चेतना से जोड़ते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के महत्व को समझाया गया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से आये हुए प्रो. पी एन गौतम ने कई उदाहरण देते हुए इसके लाभ और हानि दोनों से ही अवगत कराया। साथ ही उन्होंने जनता को विश्वास में लेने के बाद ही इसको लागू करने पर जोर दिया। समापन समारोह के पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ श्रद्धा चंद्रा, डॉ.नंदिता कौशल, डॉ.उत्कर्ष मिश्र, अणिमा शुक्ला, डॉ.राजेश कुमार, सुरभि मिश्रा, प्रमोद कुमार, विनोद कुमार, रज्जन मिश्र, रविन्द्र वर्मा, स्वरूप किशोर, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, वंदना यादव, रिचा यादव, डॉ.आरबी रावत, फैसल अंसारी, शिवानी सिंह एवं अन्य विभिन्न विद्वान, शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

## 'ब्रह्मांड की भाषा समझने के लिए भी है गणित'

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में आयोजित दो दिवसीय 71वें भारत गणित परिषद (बीजीपी) सम्मेलन का समापन रविवार को हुआ। 'गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति-एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' विषय पर हुए सम्मेलन के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने अपने-अपने शोध आधारित प्रस्तुति दी। अध्यक्ष प्रो. पीयूष चंद्रा और प्रो. अमीन सोफी के मार्गदर्शन में गणितज्ञों की अगली पीढ़ी के अभिनव दृष्टिकोणों को प्रदर्शित किया गया। युवा प्रस्तुतकर्ता ने कहा, 'गणित केवल समीकरणों को हल करने के बारे में नहीं है, यह ब्रह्मांड की भाषा को समझने के बारे में है। प्रो. डे स्टैनफोर्ड ने कहा, 'आइंस्टीन के समीकरण अंत नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की ज्यामिति में हमारे अन्वेषण की शुरुआत हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय के प्रो. एमए सोफी ने बानच स्पेस की मीट्रिक संरचना पर अपने विचार रखे। कैल्डेरोन-जिग्मंड सिंगुलर इंटीग्रल्स पर प्रोफेसर पी. मोहंती ने कहा कि गणित शुद्ध सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच एक सेतु है, जो अमूर्त अवधारणाएं शुरू हुईं, वे अब वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर रही हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। डा. अमित कुमार वर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे गणित विकसित होता है। हमें अपने समीकरणों और अपनी सोच दोनों में लगातार नए परिवर्तनों की तलाश करनी चाहिए। जेएनयू की प्रोफेसर रिद्धि शाह ने डिस्टल मैप्स की गतिशीलता पर अपने विचार रखे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

## गणित ब्रहमांड की भाषा को समझने में सक्षम

### राजधानी में जुटे विश्वभर के गणितज्ञ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्रतिष्ठित 71वें भारत गणित परिषद (बीजीपी) के सम्मेलन का अंतिम दिन लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित और खगोल विज्ञान विभाग में भव्य तरीके से संपन्न हुआ। जिससे उपस्थित लोग प्रेरित और ऊर्जावान हो गए। 'गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति-एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' विषय पर प्रख्यात विद्वान एकत्रित हुए, जिससे ऐसे क्रांतिकारी विचारों का गतिशील आदान-प्रदान हुआ, जो सम्मेलन की दीवारों से कहीं आगे तक गूंजेंगे।

### बौद्धिक ऊर्जा से भरी रही सुबह

दिन की शुरुआत युवा शोधकर्तओं द्वारा प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा के साथ हुई। अध्यक्ष प्रो. पीयूष चंद्रा और प्रो.अमीन सोफी के मार्गदर्शन में, सत्र में गणितज्ञों की अगली पीढ़ी के अभिनव दृष्टिकोणों को प्रदर्शित किया गया। जैसा कि एक युवा प्रस्तुतकर्ता ने भावुकता से कहा, गणित केवल समीकरणों को हल करने के बारे में नहीं है,बल्कि यह ब्रह्मांड की भाषा को समझने के बारे में है। एक प्रस्तुतकर्ता ने एक तकनीक के विकास से संबंधित अपना पेपर प्रस्तुत किया ताकि घुटने के प्रतिस्थापन उपकरण नरम हो जाएं लेकिन फिर भी शरीर के वजन को संभालने की ताकत हो।

### विश्लेषण और बीजगणित पर संगोष्ठी से गहन अंतर्दृष्टि

सबसे प्रतीक्षित खंडों में से एक विश्लेषण और बीजगणित में हालिया प्रगति पर संगोष्ठी थी, जहां जेएनयू, नई दिल्ली की प्रो.रिद्धि शाह ने डिस्टल मैप्स की गतिशीलता में अपने गहन गोता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला। इन मानचित्रों को समझने में,हम उन पैटर्न को अनलॉक करते हैं जो केवल संख्याओं से परे जाते हैं, जो प्राकृतिक और अमूर्त दोनों प्रणालियों को नियंत्रित करने वाले मूलभूत सिद्धांतों को छूते हैं। कैल्डेरोन-ज़िग्मंड सिंगुलर इंटीग्रल्स पर प्रो.पी.मोहंती का व्याख्यान भी उतना ही रोमांचकारी था क्योंकि उन्होंने टिप्पणी की गणित शुद्ध सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच एक सेतु है। जो अमूर्त अवधारणाएं शुरू हुईं, वे अब वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर रही हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह भावना पूरे सम्मेलन में गूंजी, जिसने प्रतिभागियों को अपने स्वयं के शोध की क्षमता का पता लगाने के लिए प्रेरित किया।

### नए गणितीय सीमाओं की खोज

डॉ.अमित कुमार वर्मा की इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म्स: फूरियर से वेवलेट्स तक की खोज ने विचारोत्तेजक चर्चाओं को जन्म दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, जैसे-जैसे गणित विकसित होता है, हमें अपने समीकरणों और अपनी सोच दोनों में लगातार नए परिवर्तनों की तलाश करनी चाहिए। वहीं, कश्मीर विश्वविद्यालय के प्रो.एमए सोफी ने बानच स्पेस की मीट्रिक संरचना पर अपने समापन भाषण में उपस्थित लोगों को गणितीय अवधारणाओं के अंतर्संबंध पर विचार करने के लिए छोड़ दिया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, कुछ निश्चित परिचालनों के साथ विभिन्न गणितीय स्पेस की मीट्रिक संरचना को समझना केवल एक गणितीय प्रयास नहीं है, यह हमारे ज्ञान की सीमित सीमाओं के भीतर अनंत संभावनाओं का मानचित्रण करने की यात्रा है।

### सम्मेलन की मुख्य बातें

गणितीय अनुप्रयोगों को आगे बढ़ाना सम्मेलन ने व्याख्यानों के साथ अपनी गति बनाए रखी,जिसमें गणित के दूरगामी अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया गया। कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के प्रो.यूसी डे ने सापेक्षता के अनुप्रयोगों के साथ सामान्यीकृत क्वासी-आइंस्टीन मैनिफोल्ड्स पर अपने व्याख्यान में प्रदर्शित किया कि कैसे अमूर्त गणितीय अवधारणाएं सापेक्षता के क्षेत्र के लिए गहन निहितार्थ रख सकती हैं। प्रो.डे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शित दुनिया के 2 प्रतिशत शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने कहा, आइंस्टीन के समीकरण अंत नहीं हैं, बल्कि ब्रह्मांड की ज्यामिति में हमारे अन्वेषण की शुरुआत हैं। आईआईएसईआर मोहाली पंजाब के प्रो.दीप सिंह ने डिजिटल डेटा सुरक्षा: एक क्रिप्टोग्राफ़िक दृष्टिकोण पर अपना व्याख्यान विशेष रूप से समय पर प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया, डेटा द्वारा संचालित दुनिया में, डिजिटल गोपनीयता के लिए लगातार विकसित हो रहे खतरों के खिलाफ गणित हमारी सबसे मजबूत ढाल बना हुआ है। उनकी अंतर्दृष्टि ने आज के डिजिटल परिदृश्य में साइबर सुरक्षा पर बढ़ते फोकस के मद्देनजर, खास तौर पर लोगों को प्रभावित किया। मुकेश कुमार अवस्थी ने दो चरण प्रवाह पर अस्थिरता के सिद्धांत पर अपने व्याख्यान में सीमा पर दो प्रकार के तरल पदार्थों के प्रवाह की स्थिरता का अध्ययन करने के लिए एक तकनीक का सुझाव दिया।

## कानूनी कुशलता विकसित करने के लिए अनुभवी के मार्गदर्शन में अभ्यास करें

**लखनऊ।** लविवि के विधि संकाय द्वारा आयोजित 5वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का तीसरा और अंतिम दिन अत्यंत जोश और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस दिन सेमी-फाइनल, फाइनल और समापन समारोह का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से 29 टीमों ने भाग लिया। प्रारंभिक दौर के दो चरणों के बाद कठोर मूल्यांकन के आधार पर 8 टीमें क्वार्टर-फाइनल के लिए आगे बढ़ीं। सेमी-फाइनल में कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई, जिसके बाद दो उत्कृष्ट टीमें फाइनल राउंड के लिए चयनित हुईं। विजेता टीम में शामिल क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलोर (टीसी 12) की आकांक्षा मलिक, पार्वती हरिकुमार, सना यादव रही। उन्हें पुरस्कार राशि के रूप में 15,000 रुपए व विजेता सर्टिफिकेट और एक ट्रॉफी दिया गया। उपविजेता टीम नवदेश्वर लॉ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय (टीसी 18) के संदीप तिवारी, शिखा उपाध्याय, इशिका मिश्रा रहे। उन्हें पुरस्कार राशि के रूप में10,000 रुपए व उपविजेता प्रमाणपत्र और एक ट्रॉफी दी गई।

समापन समारोह की शुरुआत आयोजन समि